

प्रशिक्षण भत्ता तथा पाठ्यक्रम में प्रवेश के समय आने एवं समाप्ति पर जाने का यात्रा व्यय प्रायोजक सरकार/एजेंसी द्वारा वहन किया जायेगा तथा उनके नियमों/शर्तों के अनुसार अन्वर्थी को देय होगा। पाठ्यक्रम की सम्पूर्ण अवधि के दौरान रहने व खाने का व्यय पाठ्यक्रम शुल्क में शामिल है। पाठ्यक्रम शुल्क में स्थानीय यात्रा एवं कैम्पिंग फील्ड गीयर स्टेशनरी तथा पुस्तकें/अध्ययन सामग्री भी सम्मिलित है। प्रायोजक एजेंसियों को यह सुझाव है कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के चिकित्सा उपचार के लिए अपने प्रायोजित अन्वर्थियों का व्यापक बीमा अवश्य करावा लें। प्रशिक्षण अवधि के दौरान, चिकित्सकीय बिल की प्रतिपूर्ति, सम्बन्धित राज्य सरकारों/एजेंसी द्वारा की जायेगी।

इस पाठ्यक्रम में भारतीय तथा विदेशी अन्वर्थियों को प्रवेश के समय उपरोक्त राशि का एक बैंक ड्राफ्ट निदेशक, भारतीय वन्यजीव संस्थान के पक्ष में, जो देहरादून में देय हो, भेजना होगा। विकल्प के रूप में प्रायोजक एजेंसी द्वारा पाठ्यक्रम शुल्क ई-बैंकिंग के माध्यम से भी भुगतान किया जा सकता है। पाठ्यक्रम निदेशक से संबंधित बैंक के विवरण प्राप्त किये जा सकते हैं।

अन्तिम तिथि

विदेशी अन्वर्थियों एवं भारतीय अन्वर्थियों के सभी प्रकार से पूर्ण किये गये नामांकन इस संस्थान को दिनांक 30 सितम्बर, 2016 तक अवश्य प्राप्त हो जाने चाहिए।

अधिक विवरण के लिए कृपया सम्पर्क करें:

डा० सोनाली घोष, भा.व.से.

पाठ्यक्रम निदेशक

डा० अभिजित दास

पाठ्यक्रम उपनिदेशक

वन्यजीव प्रबंधन में 32वां सर्टिफिकेट कोर्स

भारतीय वन्यजीव संस्थान

पो० बॉक्स-18 चन्द्रबनी, देहरादून-248001, उत्तराखण्ड, भारत

दूरभाष: 91-135-2646334 / 2646205 फैक्स: 91-135-2640117

वेबसाइट: www.wii.gov.in, ई-मेल: ghoshsonali@wii.gov.in / abhijit@wii.gov.in

कृपया ई-मेल द्वारा एक प्रति डीन, वन्यजीव विज्ञान संकाय (dean@wii.gov.in) को सूचनाई भेजें।

XXXII वन्यजीव प्रबंधन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

नवम्बर 1, 2016 से जनवरी 31, 2016

फोटो: डी.जी.एस. भादवा



भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

भारतीय वन्यजीव संरक्षण

वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में वैज्ञानिक नियोजन, प्रबंधन तथा अनुसंधान के लिए जरूरी क्षमता वृद्धि से सम्बन्धित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्ष 1982 में एक स्वायत्तशासी संस्थान के रूप में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अन्तर्गत इस संस्थान की स्थापना की गई थी।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं— (क) वन्यजीव प्रबंधन में आधुनिक अवधारणाओं पर समझ एवं ज्ञान प्रदान करना, (ख) वैश्विक, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय, राज्य तथा स्थानीय स्तर पर संरक्षण सम्बन्धी नीतियों एवं विधान की जानकारी तथा उन्हें लागू करने के लिये जरूरी तरीकों का ज्ञान उपलब्ध कराना, (ग) आधुनिक वैज्ञानिक विधियों, तकनीकों तथा साधनों के प्रयोग पर प्रशिक्षण तथा प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करना, जिनकी संरक्षण के लक्ष्यों के निर्देशन एवं आंकलन के लिए आवश्यकता पड़ती है, (घ) संरक्षण के लिये भू-दृश्य प्रयासों की जानकारी एवं वैज्ञानिक वन्यजीव प्रबंधन नियोजन के लिए कौशल विकसित करना, (ङ) वन्यजीवों का बन्दीकरण, देखभाल तथा प्रबंधन के साथ-साथ मानव-पशु टकराव सम्बन्धी मुद्दों का समाधान करने के लिए कौशल का विकास करना।

तथ्य समूह

यह सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम रेंज वन अधिकारियों अथवा उनके समकक्ष स्तर के तथा अन्य उन व्यावसायिकों के लिए है जो कि वन्यजीव संरक्षण, प्रबंधन तथा नेतृत्व की भूमिका में रुचि रखने वाले एवं साथ-साथ वन्यजीव तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन क्षेत्रों में कार्य करेंगे।

योग्यता

यह सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम डिप्टी रेंज अधिकारियों/रेंज वन अधिकारियों के रैंक में सेवारत वनाधिकारी तथा उनके समकक्ष स्तर के अधिकारियों के लिये है।

समकक्ष स्तर के वानिकी/पर्यावरणीय विज्ञान की पुष्टभूमि एवं क्षेत्रीय अनुभव रखने वाले विदेशी अर्थव्यर्थियों को भी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है बशर्त उन्हें अंग्रेजी भाषा का पर्याप्त ज्ञान हो।

अभ्यर्थियों को पाठ्यक्रम के प्रारम्भ होने की तिथि (1 नवम्बर 2016) को 35 वर्ष से अधिक एवं 45 वर्ष से कम आयु का होना चाहिए। उन्हें कठिन बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शारीरिक रूप से सक्षम होना चाहिए।

नामांकन

संस्थान द्वारा नामांकन प्रक्रिया राज्य वन विभागों/विदेशी सरकारों/एजेंसियों से निर्धारित प्रपत्र में योग्य अभ्यर्थियों के नामांकन आमंत्रित किये जाने से प्रारम्भ होती है। संलग्न निर्धारित प्रपत्र में जीवनवृत्त के सहित विदेशी अभ्यर्थियों का पासपोर्ट विवरण भरकर, फीस सहित, जहाँ लागू हो व प्रायोजक एजेंसी के अनुमोदन के साथ संस्थान को भेज दें। अभ्यर्थियों का चयन निर्धारित योग्यता मापदण्डों को पूर्ण करने पर 'पहले आये-पहले पायें' के आधार पर किया जायेगा।

इस संस्थान द्वारा ग्लोबल टाईगर फोरम तथा अन्य संरक्षण के लिए प्रायोजक एजेंसियों से भी समान शैक्षिक स्तर के विदेशी अभ्यर्थियों के नामांकन स्वीकार किये जाते हैं।

अवधि

एक अकादमिक सत्र को पूरा करने के लिये इस पाठ्यक्रम की अवधि 1 नवम्बर, 2016 से 31 जनवरी 2017 तक तीन महीने के लिए है।

उपस्थिति

पाठ्यक्रम के सभी घटकों, दौरों, शैक्षणिक भ्रमणों, व्याख्यानों, प्रयोगों, परीक्षाओं, समूह विचार-विमर्शों तथा संगोष्ठी में भाग लेना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम की सूची

पाठ्यक्रम संरचना में व्यापक रूप से निम्नलिखित मॉड्यूल शामिल किये गये हैं—

1. वन्यजीव प्रजातियाँ तथा प्राकृतिकवास
2. वन्यजीव आबादी का आकलन
3. सुदूर सम्यदन तथा जीआई0एस0
4. वन्यजीव प्रबंधन (बन्दीकरण एवं गतिहीन करने की विधियों के साथ-साथ मानव-पशु टकराव, वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन, प्राकृतिक वास प्रबंधन, विधि (कानून), प्रबंधन प्लानिंग, प्रवर्तन एवं मॉनीटरिंग, बाह्य स्थानिक (एक्स-सिटू) संरक्षण तथा प्रबंधन, समुदाय तथा आउटरीच)

क्षेत्रीय दौरे

वन्यजीव ओरियंटेशन/स्थानीय शैक्षणिक भ्रमण: प्राकृतिक ऐतिहासिक दृश्यों विशेषकर स्तनधारीयों, सरीसृप, पक्षियों, पौधों, तितलियों की पहचान, मुख्य वनस्पतियों के प्रकारों से परिचय, वन्यजीवों की प्रत्यक्ष एवं परोक्ष परिस्थितियों के द्वारा पहचान के लिए गाइड के साथ पैदल भ्रमण। नमभूमि क्षेत्रों का दौरा, वन्यजीव सर्वेक्षण के लिए क्षेत्रीय उपकरणों—जी.पी.एस., रेंज फाइंडर, रेडियोटैगिंग, आदि के प्रयोग का प्रदर्शन।

वन्यजीव तकनीकी दौरा: वन्यजीव जीवविज्ञान के प्रयोगात्मक पक्षों में वानस्पतिक एवं जैविक विविधता की विशेषताओं को जानना, वन्यजीव प्राकृतिक वासस्थल तथा उनकी मॉनीटरिंग शामिल हैं। प्रतिभागियों को प्राकृतिक वास विवरण, मानचित्रिकरण तथा मूल्यांकन, वन्यजीव आबादी का अनुमान, बायोमास का अनुमान तथा प्रजातियों की आहार प्राथमिकताओं आदि विषयों पर अभ्यास करने आवश्यक होंगे। प्रतिभागियों को क्षेत्र में सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए एकत्र किये गये डाटा का विश्लेषण करने में प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। प्रयोगशाला में मल नमूनों के प्रयोग आधारित विश्लेषणों को प्रदर्शित किया जायेगा।

वन्यजीव प्रबंधन दौरा: इस दौर में अधिकारी प्रशिक्षणार्थी वन्यजीव प्रबंधन के विभिन्न अभ्यासों को सीखने के लिए विशिष्ट संरक्षित क्षेत्रों तथा प्राणी उद्यानों का भ्रमण करेंगे। वन्यजीव सुरक्षा तरीकों के अध्ययन कार्यक्रमों तथा सीमाओं का प्रबंधन, बाहरी गांवों तथा मानवीय हस्तक्षेपों पर नियंत्रण सम्बन्धी मुद्दों, पर्यटन तथा संरचनात्मक प्रबंधन, वन्यजीव को हानि पहुंचाने पर रोक, प्राकृतिक वास प्रबंधन अभ्यास, पारिपर्यटन तथा पारिविकास क्रियाकलापों आदि विषयों पर विशेष बल दिया जायेगा।

इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण अवधि के दौरान समय-समय पर समीपवर्ती संरक्षित क्षेत्रों/संस्थानों/संस्थाओं/विद्युयाघरों में भी क्षेत्रीय दौरों का आयोजन किया जाता है।

योग्यता आकलन तथा पाठ्यक्रम पट्टक

योग्यता आकलन, सीखने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण भाग है, तथा यह क्षेत्रीय अभ्यासों के दौरान एवं कक्षाओं में मॉड्यूल के अनुसार अधिकारी प्रशिक्षणार्थी की निष्पादन योग्यता पर निर्भर करेगा। यह आकलन समूह विचार-विमर्श, एसाइनमेंट, लिखित एवं मौखिक परीक्षा के आधार पर भी किया जायेगा।

प्रशिक्षण शुल्क

इस पाठ्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों के लिए शुल्क अनिवार्य है। भारतीय प्रशिक्षणार्थियों के लिए शुल्क रूपये 3,20,000 तथा विदेशी अभ्यर्थियों के लिए \$ 6000 होगा।